ISSN 0973-8541, HUMANITIES AND DEVELOPMENT, VOL.19, NO.1, Jan.- March,2024 /4

सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आई.सी.टी.) के प्रभाव से बदलती ग्रामीण महिलाओं की स्थिति :– सहारनपुर जनपद के विशेष संदर्भ में।

डॉ0 अश्वनी भट्ट, प्रवक्ता, समाजशास्त्र
आर्य कन्या इण्टर कॉलेज, गंगोह, सहारनपुर
https://doi.org/10.61410/had.v19i1.164

शोध सारांश

सूचना और संचार प्रौद्योगिकी ने ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार की क्षमता प्रदान की है। इंटरनेट, मोबाइल, यूटयूब ने समाज में परिवर्तन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्राप्त आंकड़े यह दर्शा रहे हैं कि इसने सबसे अधिक महिलाओं को प्रभावित किया है। महिलाएं हर क्षेत्र में कुछ करिश्मा कर दिखाने की चाह रख रही हैं। अधिकांश बाधाओं के बावजूद महिलाएं सभी क्षेत्रों में अपना परचम लहरा रही हैं। सूचना और प्रौद्योगिकी ने न केवल अवसर खोले हैं बल्कि आर्थिक और सामाजिक विकास पर भी बल दिया है। छोटे–छोटे शहर की लड़कियां या महिलाएं किसी न किसी रूप से तकनीकी से जुड़ी हैं तथा देश भर में हो रही प्रत्येक घटनाओं से किसी न किसी माध्यम से अवगत हो रही हैं। मोबाइल के विकास ने धीरे–धीरे बहुत कुछ बदल दिया है। यह सच है कि जीवन का हर क्षेत्र महिलाओं के बिना अधूरा है।

मूल शब्द :– युट्युब, करिश्मा, परचम लहराना, अधूरा, तकनीकी, अवसर, नारीवादी, डिजिटल, इंटरनेट।

प्रस्तावना –

प्रसिद्ध नारीवादी लेखिका जेर्मेनग्रीर का मानना है कि – ''**पुरूष आज बदला हुआ नजर आता है तो इसलिए नहीं कि वह नारीवादी रवैया अख्तियार कर रहा है। वस्तुतः वह आर्थिक दबावों के कारण उदार नजर आ रहा है।**'' और यह सच भी है कि औरत की आर्थिक रूप से आत्मर्निभरता ने पुरूष का जीवन कहीं ज्यादा सहज और सरल बनाया है। वह पुरूष चाहे पिता हो, भाई हो या पति। स्त्री का संघर्ष किसी भी मायने में पुरूष के खिला संघर्ष नहीं है बल्कि उन तमाम स्थितियों के खिलाफ है जो उन्हें कभी आगे बढ़ने नहीं देते। अक्सर महिलाओं को इस आधार पर सशकत मान लिया जाता है कि कोई महिला देश की प्रधानमंत्री बन गई, राष्ट्रपति बन गई, किसी कम्पनी की सीईओ बन गई आदि। इनमें 2 प्रतिशत महिलाओं के आधार पर सभी महिलाओं को सशक्त ठकहराने की कोशिश तो जरूर की परन्तु क्या कभी उन 98 प्रतिशत महिलाओं के बारे में सोचा जो 'आंचल में दूध और आंखो में पानी' लिए अपने अस्तित्व की खोज में है।

सूचना तथा संचार प्रौद्योगिकी ने इस महिलाओं को प्रोत्साहित किया। देश की आधी आबादी में आए बदलाव से विकास की गति तेज हो रही है। भारतीय समाज में महिला एक मौन उपस्थिति थी लेकिन आज सूचना प्रौद्योगिकी, संचार साधनों ने भारतीय संस्कृति की दुनिया में स्त्री को बेहद प्रखर उपस्थिति बना दिया है। आज आई.सी.टी. के माध्यम से लोगों में यह चेतना पैदा हो गई है कि यदि किसी देश की महिलाएं अशिक्षित रही तो उस देश का विकास सम्भव नहीं है। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को शिक्षित करने का रूझान बढ़ा है। महिलाओं में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने में आई.सी.टी. की भूमिका काफी कारगर साबित हुई है तथा सोशल मीडिया के जरिए अपने छुपे हुए टैलेंट को बाहर निकाल रही है। कुछ वर्ष पहले आई फिल्म 'सीक्रेट सुपरस्टार इस ची को रूपहले पर्दे पर बड़े अच्छे ढंग से पेश करती है।

तेजी से बदलती दुनिया में स्त्री सशक्तिकरण की आवश्यकता सर्वोपरि है। ग्रामीण महिलाओं को सशकत बनाने में भारत सरकार ने समय–समय पर कई योजनाएं चलाई है। ग्रामीण महिलाओं को सशक्त करना देश को सफल करने के समान है। गांव का तभी विकास होगा, जब ग्रामीण महिला की आजीविका और बेहतर जिंदगी के लिए शहरों में न जाकर अपनी ही जन्मभूमि को कर्म भूमि बनाकर उनके विकास के लिए कार्य करेगी। नारी को पुरूष एक दूसरे के पूरक है। एक के बिना दूसरे का कोई अस्तित्व नहीं है। अगर देश का विकास करना है तो उस देश की महिलाओं को विकास की मुख्य धारा से जोड़ना होगा। यदि विश्वगुरू बनना है तो उसमें महिलाओं की सहभागिता और महिला सशक्तिकरण पर बल देना होगा।

प्रिंट मीडिया, सोशल मीडिया, टी.वी. मीडिया आदि ये सब आई.सी.टी. के घटक है। मीडिया ने महिलाओं को प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित किया है। इन्हीं के जरिए महिलाओं ने धीरे–धीरे खुद को पहचाना है। अपनी शकित व गुणों को भी पहचाना है।

ग्रामीण महिला सशक्तिकरण में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का प्रभाव –

अब कहावत पुरानी हो चुकी है कि घर की महिला घर पर ही रहे तो घर का ही काम करेगी। अब वह घर के काम के साथ–साथ इन नवीन परिस्थितियों में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी ने पत्नी को पति के साथ देने के लिए प्रोत्साहित किया है। आज सूचना और संचार प्रौद्योगिकी ने महिलाओं को घर बैठे ही अने रोजगार प्रदान किए है। जिससे वे घर के काम के साथ–साथ आर्थिक रूप से भी मजबूत हो रही है और अपने बच्चों की देखभार पर उतना ही समय दे रही है जितना कि एक घरेलू महिला देती है। सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी ने आज पूरे विश्व को एक गांव में बदल दिया है। वर्तमान वैश्विक परिवेश में मीडिया एक प्रभावशाली साधन है जिसकी पहुँच करोड़ों लोगों तक है। इस तकनीकी का महिला, वृद्ध, पुरूष, बच्चों आदि पर प्रभाव पड़ा है।

स्वतंत्रता के बाद से ग्रामीण, शहरी भारत में हुए विकास के विभिन्न पहलुओं से अछूता रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में तो सुविधाएं अवश्य पहुंची लेकिन वे शहरी क्षेत्रों की अपेक्षा कम थी। ग्रामीण महिलाओं की क्षमता को विकसित करने और उनहें मुख्य धारा में शामिल करने की दीर्घकालिक उद्देश्य को गति प्रदान करने के लिए जनजातीय कार्य मंत्रालय ने फेसबुक के साथ मिलकर डिजिटल मोड़ के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को सलाह प्रदान करने का कार्य आंरभ किया है। ग्रामीण महिलाओं में उद्यम संबंधी क्षमता को बढ़ाने के लिए अनेक कार्यक्रम चलाए जा रहे है। इंटरनेट आज देश के ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों के बीच सेतु बनाने के साथ–साथ ग्रामीण विकास के लिए उत्प्रेरक बन गया है। भारत विचार शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भारत को अवसरों की उपमा देते हुए कहा कि शहरी लोगों की तुलना में ग्रामीण लोग अधिक इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं।

सूचना और संचार प्रौद्योगिकी ने ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार की क्षमता प्रदान की है। उदाहरण के तौर पर ऑनलाइन सामान मांगने, खाना मंगाने, मनोरंजन तथा शिक्षा आदि तक पहुंचने ग्रामीण व शहरी लोगों के बीच अंतर को बहुत कम किया है। सूचना और संचार प्रौद्योगिकी ने अच्छे वेतन वाली नौकरियों को आकृष्ट करने में मद्द की है और दूर से काम करने की सुविधा भी प्रदान की है। अपने ही क्षेत्र से काम करने की वजह से शहरों में पर्यावरण प्रदूषण की समस्या के निराकरण में भी सहायता मिल रही है।

ग्रामीण महिलाओं ने बाजार की जानकारी/वैश्विक बाजरों तक आसान पहुंच के माध्यम से उपलब्ध आर्थिक गतिविधियों से लाभ उठाया है। छोटे–छोटे शहर की हर लड़की व महिला किसी न किसी रूप से तकनीकी से जुड़ी है। देश भर में हो रही हर घटनाओं से किसी न किसी माध्यम से अवगत हो रही है। मोबाइल के विकास ने धीरे–धीरे बहुत कुछ बदल दिया है। अब बहुत अधिक संख्या में महिलाएं सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के जरिए अपनी भूमिका निर्वाह कर रही है। सन् 1990 के अंतिम दशकों में महिलाओं ने बहुत तेसी से सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपने कमद बढ़ाये है। एक आकड़े के मुताबिक सन् 2023 में भारत में करीब 90 करोड़ लोगों के पास इंटरनेट का एक्सेस है। सरकारी आकड़ों की माने तो इंटरनेट यूजर की तेजी से बढ़ती संख्या के साथ यह आंकड़ा 100 करोड़ को पार कर देगा। रिपोर्ट के अनुसार भारत में इंटरनेट सक्षम फोन रखने वाले 91 प्रतिशत पुरूष इंटरनेट का उपयोग करते है जबकि महिलाएं 79 प्रतिशत है।

सूचना और संचार प्रौद्योगिकी ने न केवल अवसर खोले है बल्कि आर्थिक विकास और सामाजिक विकास पर भी बल दिया है। यह समाज के सभी वर्गो को प्रभावित कर रहा है तथा मानव विकास के लिए अद्वितीय अवसर प्रदान कर रहा है।

वोरडेनेल के अनुसार – ''यदि ग्रामीण विकास की सम्पूर्ण स्थिति की समीक्षा की जाये तो कहा जा रहा है कि ग्रामीण विकास में संचार माध्यमों की महत्वपूर्ण भूमिका है। सूचना एवं संचार के नए उपागमों को अपनाकर ग्रामीण विकास के क्षेत्र में अमूल चूल परिवर्तन हुए है।''

शोध समस्या के उद्देश्य –

1– सूचना और संचार प्रौद्योगिकी तक ग्रामीण महिलाओं की पहुंच का अध्ययन करना।
2– आई.सी.टी. ने महिलाओं के सामाजिक आर्थिक सशक्तिकरण में किस प्रकार योगदन दिया है।
3– आई.सी.टी. ने महिलाओं की भूमिका को किस तरह से परिवर्तित किया है।
4– आई.सी.टी. से सम्बन्धित कामकाजी महिलाएं बच्चो की देखभाल पर उतना समय दे पाती है जितना कि घरेलू महिला।
5– क्या आई.सी.टी. के माध्यम से महिलाएं अच्छा भविष्य बना पाने में सफल हो रही है ?

अध्ययन क्षेत्र व विषय वस्तु –

प्रस्तुत शोध उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले से 45 किमी दूर गंगोह कस्बे में रहने वाली महिलाओं का है। सहारनपुर जिला एक कृषि प्रधान क्षेत्र है। जिसकी उत्तरी सीमा उत्तराखण्ड तथा पश्चिमी सीमा हरियाणा राज्यों से लगती है। सन् 2011 की जनगणना के अनुसार यहां की जनसंख्या 3,466,382 है। जिसमें 1,834,106 पुरूष है तथा 1,632,276 महिलाएं है। सन् 2011 के बाद सन् 2021 की जनगणना के अनुसार यहां की कुल साक्षरता दर 70.49 प्रतिशत है। पुरूष साक्षरता दर 78.28 प्रतिशत तथा महिला साक्षरता दर 61.74 प्रतिशत है तथा प्रति हजार पुरूष पर 898 महिला है।

प्रस्तुत शोध गंगोह कस्बे में रहने वाली 100 महिलाओं का है जिन पर सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन किया गया है। प्रस्तुत शोध की प्रकृति अन्वेषणात्मक/सर्वेक्षण विधि है।

तथ्य संकलन की प्रविधियां –

प्राथमिक स्रोत – प्रस्तुत शोध में संकलन की अनेक विधियों में से अनुभावत्मक अध्ययन में साक्षात्कार अनुसूची व अवलोकन के द्वारा सूचनाएं एकत्रित की गई है। वांछित तथ्यों को प्रदान करने के लिए प्रश्नों की एक अनुसूची तैयार की गई हैं इस अनुसूची को लेकर उत्तर को लिखा गया हैं सही तथ्यों को जानने के लिए साक्षात्कार तथा अवलोकन का प्रयोग किया गया है।

द्वितीय स्रोत – इसके अन्तर्गत पूर्व अध्ययन, लेख, समाचार पत्र, पत्रिकाएं, इंटरनेट आदि का उपयोग किया गया है।

तथ्यों का संकलन और विश्लेषण –

सूचना प्रौद्योगिकी का ग्रामीण महिलाओं पर उललेखनीय प्रभाव डाला है। सूचना प्रौद्योगिकी के साधन जैसे– टी.वी., मोबाइल, इंटरनेट, पत्रिकाएं, रेडियो आदि सम्मिलित है और इंटरनेट, मोबाइल, यूटयूब ने समाज में परिवर्तन करने में महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त किया है। सूचना और संचार ने इस क्षेत्र की सभी उम्र की महिलाओं पर अपना प्रभाव डाला है। प्रस्तुत अध्ययन में 100 प्रतिशत महिलाएं मोबाइल फोन का इस्तेमाल करती है और सभी का ये मानना है कि आई.सी.टी. ने महिलाओं को जागरूक किया है और महिलाओं के लिए अच्छा भविष्य बनाने में सफल हो रहा है। प्रस्तुत अध्ययन में 10 प्रतिशत महिलाओं के लिए अच्छा भविष्य बनाने में सफल हो रहा है। प्रस्तुत अध्ययन में 10 प्रतिशत महिलाओं उद्यमी है अर्थात पार्लर, बुटीक,चलाती है और लगभग 30 प्रतिशत महिलाएं नौकरी (अध्यापन) पेशे से है। बाकी 60 प्रतिशत महिलाएं घरेलू महिला है। सभी महिलाएं अपने–अपने क्षेत्र में आई.सी.टी. का प्रयोग कर रही है। जिन महिलाओं ने अपना उद्यम खोल रखा है वे अपने क्षेत्र से सम्बन्धित सभी जानकारी सोशल मीडिया से लेती है। जिन महिलाओं ने बुटीक खोल रखा है वे कहती है जो फैशन चलन में होता है। वह सोशल मीडिया के जरिए हमें तुरन्त जानकारी मिल जाती है तथा कौन सा मेकप ट्रेंड में है उसकी भी जानकारी उन्हें मिल जाती है। ऑनलाइन हो जाने से मार्केट की भीड़ भाड़ से बच जाती है। बैठे–बैठे जारी चीजे उपलब्ध हो जाती है।

आई.सी.टी. ने विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं को निम्न प्रकार से प्रभावित किया

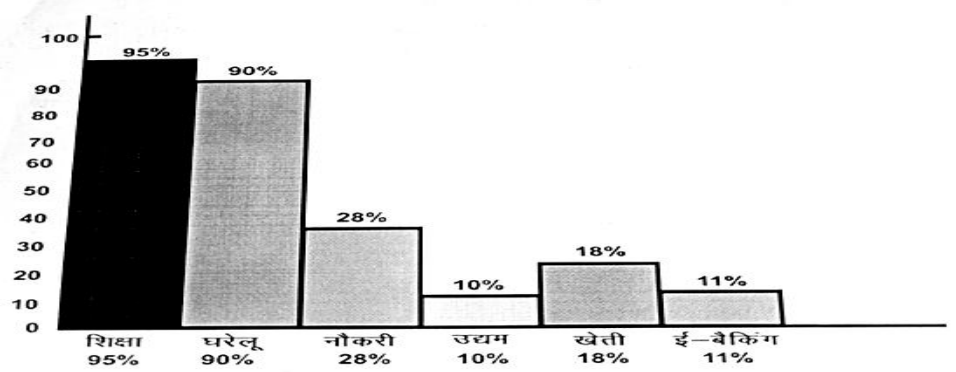

प्रस्तुत आकड़ों से यह पता चलता है कि अखबार, मोबाइल, टी.वी., यूटयूब, इंटरनेट ने महिलाओं की मनोवृत्ति, विचार, आदर्श, सोच, दृष्टिकोण आदि को परिवर्तित करने में विशेष योगदान दिया है। इसके माध्यम से ग्रामीण महिलाएं न केवल विश्व के समाचारों से अवगत हो रही है बल्कि कृषि संबंधी मामलों में भी जानकारी प्राप्त कर रही है। 18 प्रतिशत महिलाएं कृषि से सम्बन्धित जानकारी लेती है। शिक्षा के क्षेत्र में 95 प्रतिशत लाभ उठा रही है जिसमें ज्यादातर महिलएएं अपने बच्चों से सम्बन्धित शिक्षा के लिए आई.सी.टी. को महत्वपूर्ण बता रही है।

आज की नारी जीवन और समाज के हर क्षेत्र में कुछ करिश्मा कर दिखाने की चाह रखती है। उसमें छटपटाहट है आगे बढ़ने की। तमाम बाधाओं के बावजूद महिलाए सभी क्षेत्रों में अपना परचम लहरा रही है। यह सच है कि जीवन का हर क्षेत्र महिलाओं के बिना अधूरा है। यहां तक यह कहना उचित होगा कि–

''तुम हो तो ये घर लगता है
वरना इसमें डर लगता है।''

निष्कर्ष –

सूचना एवं संचार ही एक ऐसा माध्यम है जिसने इस विश्व को बहुत तेजी से बदला। सूचना एवं संचार तंत्र के अलावा कोई ऐसा माध्यम नहीं है जो विश्व में हो रहे किसी भी घटना की जानकारी शीघ्र दे। प्रस्तुत आकड़े में बता रहे है कि इसने सबसे ज्यादा महिलाओं को प्रभावित कर रखा है। इसने महिलाओं को घर बैठे काम दिया है जिससे महिलाएं आर्थिक रूप से घर बैठे ही मजबूत हो रही है और साथ–साथ घर के सारे काम कर रही है। महिलाओं की कहानी ईगल की कहानी से मिलती जुलती है।

ईगल की उम्र 70 वर्ष की होती है और 40 वर्ष के बाद उसका पुनर्जनम होता है। ईगल के 40 वर्ष होते ही उसके पंजे तथा चोंज शिकार करते करते मुड़ जाते हे तथा उसके पंख भी मोटे हो जाते है और सीने से चिपकने लगते है। जिससे उसे शिकार करने तथा उड़ने में समस्या होने लगती है। उसके पास दो ही विकल्प बचते है या तो वह मर जाए या दर्दनाक प्रक्रिया से होकर खुद को बदले। पर बाज खुद को बदलने के लिए ऊंचे पहाड़ों पर चला जाता है और वहां पत्थरों पर अपनी मुड़ी हुई चोंच व नाखून को तब तक मारता है ज बवह टूट न जाए। टूटने के बाद उसके नए चोंच व नाखून निकल के आते है। जिससे वह पुराने मोटे पंख को एक–एक करके निकालता जाता है। इस प्रक्रिया से वह 30 साल और अच्छे से उड़ने और शिकार करने के लिए तैयार हो जाता है। उसी तरह महिलाएं भी 40 साल तक विवाह और बच्चे हो जाने के बाद अपने बारे में सोचना छोड़ देती है उनमें कुछ करने की क्षमता खत्म हो जाती है। लेकन उन्हें सब कुछ छोड़कर ईगल की तरह 40 साल के बाद नई उड़ान भरनी होगी ओर उनमें इस नई उड़ान भरनी होगी और उनमें इस नई उड़ान में आई.सी.टी. महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में सक्षम है।

संदर्भ–सूची

1. डॉ0 विकास दित्यकीर्ति, निशान्त जैन (I.A.S.) निबंध दृष्टि, 2003 दृष्टि पब्लिकेशन।
2. ग्रामीण महिला सशक्तिकरण का सूचना प्रौद्योगिकी पर प्रभाव : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन। March-April 2023, ISSN-23477075M IJJAR, अरविन्द कुमार।
3. ग्रामीण महिलाओं की प्रास्थिति पर संचार माध्यमों का प्रभाव : रीवा जिले के संदर्भ में, Jan-2023, ISSN (Online) – 2581-9429, Vol-3, Issue-1, IJARSCT, डॉ0 मोहम्मद परवेज।
4. Saharanpur.nic.in
5. Census2011.co.in